❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के अवसर

MMTC द्वारा शुद्ध चांदी के विशेष सिक्के
999.9 टंच 10 ग्राम MMTC के प्रमाणपत्र सहित
आकर्षक पैकिंग में उपलब्ध
रु. ~~2200~~ 1100/-
प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें
9650183336, 9540040339

वर्ष 47, अंक 21 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 8 अप्रैल, 2024 से रविवार 14 अप्रैल, 2024
विक्रमी सम्वत् 2081 सृष्टि सम्वत् 1960853125
दयानन्दाब्द : 201 पृष्ठ : 8
वार्षिक शुल्क : 250 रुपये दूरभाष: 23360150
ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें -www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जयन्ती वर्ष एवं आर्यसमाज स्थापना के 150वें वर्ष के दो वर्षीय आयोजनों के अन्तर्गत

ज्ञान ज्योति पर्व महासम्पर्क अभियान

एक परिवार 200 व्यक्तियों से करेगा सम्पर्क : लिए जा रहे हैं-संकल्प

वर्तमान चुनौतियों के चिन्तन एवं महा सम्पर्क अभियान को लेकर 22 अप्रैल, 2024 से होंगी क्षेत्रिय गोष्ठियां

आर्य सामाज एक ऐतिहासिक आंदोलनकारी और विश्वव्यापी संगठन है। इसके संस्थापक उन्नीसवीं सदी के महामानव महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज का 150 वाँ स्थापना दिवस समस्त आर्यजनों के लिए एक अद्‌भुत और अनुपम अवसर है। अत: पिछले एक वर्ष से आर्य समाज लगातार भारत के कोने कोने में और विदेशों में विशाल, विराट व भव्य आयोजन सफलतापूर्वक करता आ रहा है। कार्यक्रमों की इस वृहद और सुन्दर श्रृंखला में इंदिरा गांधी इण्डोर स्टेडियम में दो वर्षीय आयोजनों के शुभारम्भ अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, 148वें स्थापना दिवस, तालकटोरा इण्डोर स्टेडियम में गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, 200वीं जयन्ती के भव्य आयोजन टंकारा, गुजरात में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, अन्य आयोजन में उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड जी, अन्य अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, विधायक, पार्षद आर्य समाज के मूर्धन्य संन्यासी, विद्वान, विदुषी, आर्य समाज का शीर्ष नेतृत्व के रूप में अधिकारीजनों का सान्निध्य सबने प्राप्त किया। इस अवसर को अविस्मरणीय और ऐतिहासिक रूप प्रदान करते हुए, सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए आर्य समाज द्वारा वेद परिवार निर्माण योजना, ज्ञान ज्योति पर्व, महासम्पर्क अभियान और भारत के गौरव शाली इतिहास, वर्तमान स्थिति और उज्जवल भविष्य की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम गतिशील हैं।

दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आर्य जनों को संबोधित करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्श जीवन, उनके सेवा कार्यों और आर्य समाज के ऐतिहासिक सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए, हर आयु वर्ग के महिलाओं पुरुषों, बच्चों और युवाओं

- जारी पृष्ठ 5 पर

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की अन्तरंग सभा बैठक
रविवार 21 अप्रैल, 2024 सायं : 3:00 बजे

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की अन्तरंग सभा बैठक **रविवार 21 अप्रैल, 2024** को आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली के सभागार में **सायं 3:00 बजे** से आयोजित की गई है। सभी माननीय सम्मानित अधिकारियों, अन्तरंग सदस्यों एवं विशेष आमन्त्रित सदस्य मानुभावों को बैठक का ऐजेण्डा पत्रक व्हाट्सएप्प, टेलीग्राम एवं साधारण डाक से विधिवत् भेज दिया गया है।

अत: सभी सम्मानीय सदस्यों से निवेदन है कि बैठक में अवश्य ही पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं एवं निर्णयों में अपनी भागीदारी प्रस्तुत करें।

-: निवेदक :-

धर्मपाल आर्य (प्रधान) विनय आर्य (महामन्त्री)

आर्य प्रगति स्कॉलरशिप वितरण समारोह
रविवार 21 अप्रैल, 2024 सायं : 6:00 बजे

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ नई दिल्ली एवं आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के सहयोग से आरम्भ आर्य प्रगति स्कॉलरशिप का वर्ष 2023 के लिए वितरण समारोह **रविवार 21 अप्रैल, 2024** को सायं 6 बजे से **आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली** के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

योजना के विषय में अधिक जानकारी के लिए दिए गए क्यूआर कोड़ को स्कैन करें/मोबाइल पर सम्पर्क करें अथवा वैबसाईट पर लॉगइन करें।

aryapragati.com
9311721172

देववाणी-संस्कृत

सभी मित्र हों

वेद-स्वाध्याय

अभयं मित्रादभयममित्रादभयं ज्ञातादभयं परोक्षात्।
अभयं नक्तमभयं दिवा नः सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु।। -अथर्व. 19/15/6
ऋषिः **अथर्वा**।। देवता - **इन्द्रः**।। छन्दः **त्रिष्टुप्**।।

शब्दार्थ - मित्रात् अभयं, अमित्रात् अभयम् = मुझे मित्र से भय न हो, अमित्र से भी भय न रहे। **ज्ञातात् अभयम्** = जो ज्ञात हो गया है उससे भय न हो और **परोक्षात् अभयम्** = जो आगे है, आनेवाला है उससे भी भय न हो। **नः नक्तं अभयं, दिवा अभयम्** =हमें रात में भी अभय हो, दिन में भी अभय हो, **सर्वाः आशाः** = सब दिशाएँ, सब दिशाओं के वासी प्राणी **मम मित्रं भवन्तु** = मेरे मित्र हो जाएँ, मेरे मित्ररूप रहें।

विनय - हे जगदीश्वर! इस तेरे जगत् में, इस तेरे न्यायपूर्ण सच्चे शासन में रहते हुए मुझे कोई भी भय क्यों होना चाहिए? तू सब जगत् में सदा कल्याण-ही-कल्याण कर रहा है तो फिर मुझे कभी डर क्यों हो? भय करना नास्तिक होना है, तुझपर अविश्वास करना है, तुझे भुलाना है, तेरा द्रोही होना है, अतः हे मेरे परम प्यारे, कल्याण स्वरूप स्वामिन्! आज से मैं मन की दुर्बलता को छोड़कर अभय रहने का व्रत लेता हूँ। मैं अपनी रत्तीभर किसी भी भय के अधीन न होऊँगा। हे मेरे जगदीश्वर! इसमें मेरी सहायता करो। भय न छोड़कर तो मैं संसार में कुछ भी नहीं कर सकता, सत्यपथ पर नहीं चल सकता, कभी भी तेरे दर्शन नहीं पा सकता, अतः हे प्रभो! मुझे ऐसा बल दो कि संसार में किसी भी मनुष्य से मुझे भय न हो; न मित्र से भय हो, न अमित्र से। सत्यपथ पर चलते हुए मुझे न मित्रों की नाराज़गी आदि का भय हो और न अमित्रों द्वारा क्लेश पाने का। तेरे सामने मित्र-अमित्र सब समान हैं। तेरे सामने मित्रों के अमित्र हो जाने से क्या डरना और अमित्रों द्वारा जो मुझ पर कष्ट-विपत् आता है उससे क्या घबराना? अनिष्ट तो मित्र और अमित्र दोनों द्वारा लाये जा सकते हैं और लाये जाते हैं, अतः इन दोनों से ही मुझे भय से बचा। जो कुछ है और जो कुछ होगा, वह सब निःसन्देह शुभ ही है। मेरा निर्बल मन बहुत-सी घटित, ज्ञात, परिचित बातों को अनिष्टकर मानकर उनसे तो भयत्रस्त होता ही है, पर वह आगे आनेवाली बातों में सदा अनिष्ट की आशंका करके भी यूँ ही भयपीड़ित बना रहता है-'आगे न जाने क्या होगा', मेरे इस कर्म की सिद्धि होगी या नहीं, 'कहीं इसका फल- परिणाम बुरा न निकले', इस प्रकार का जो भय मुझमें रहता है वह तो बड़ा ही आत्मघातक है, अतः हे मेरे अन्तर्यामिन्! मुझमें अब ऐसा ज्ञान प्रदीप्त कर दो कि मेरे सब मोह हट जाएँ और मैं तेरे देदीप्यमान कल्याण स्वरूप को देखता हुआ दिन में या रात में, सदा, सब कालों में, सब अवस्थाओं में अभय रहूँ। ऐसा बल दो कि अन्धकार हो या प्रकाश, विपत् हो या सम्पत्, अनुकूलताएँ हों या प्रतिकूलताएँ, मैं सब दिशाओं में सदा निर्भय रह सकूँ।

-: साभार :-
वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वामी रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण को भ्रामक विज्ञापन मामले में माफी न देने का मामला

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन विवाद के पीछे का दूसरा सच

प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों - आयुर्वेद, सिद्ध, प्रकृतिक, यज्ञ और योग से भारतीयों को दूर करने के लिए आई.एम.ए. ने पतंजलि को बनाया है निशाना

हाल ही में पतंजलि फार्मेसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विवाद मचा है। इस वर्ष 27 फरवरी को कोर्ट ने पतंजलि के स्वास्थ्य से जुड़े विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने थायरॉइड, अस्थमा, ग्लूकोमा जैसी बीमारियों से 'स्थायी राहत और इलाज' का दावा करने वाले पतंजलि के विज्ञापनों को भ्रामक बताया था। हालाँकि सुनवाई के दौरान स्वामी रामदेव की ओर से उनके वकील ने हाथ जोड़कर माफ करने की अपील की। किन्तु फिर भी कोर्ट ने कहा कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए।

अब लोगों के मन में सवाल बन रहा है कि जब देश में विदेशी कम्पनियां एक हजार झूठ बोलकर अपने प्रोडक्ट बेच सकती हैं तो स्वदेशी आयुर्वेदिक फार्मेसी के उत्पाद पर इतना बवाल क्यों? दरअसल पतंजलि के खिलाफ ये कार्रवाई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.) की याचिका पर हो रही है। आई.एम.ए. ने अपनी एक याचिका में दावा किया था कि पतंजलि गलत दावों के साथ विज्ञापन चलाती है। इतना ही नहीं आई.एम.ए. ने भी आरोप लगाए थे कि पतंजलि कोविड वैक्सीन के बारे में गलत सूचना फैला रही थी। कहा था कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन, इसके इलाज के संदर्भ में एलोपैथी के खिलाफ नेगेटिव प्रचार किया था और बाबा रामदेव पर एक हजार करोड़ के जुर्माने का दावा ठोका था।

26 मई 2021 को भेजे गये जुर्माने के इस नोटिस का कारण था कि स्वामी रामदेव ने अंग्रेजी दवाइयों पर सवाल खड़ा कर दिया था तो इडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा है कि योग गुरु 15 दिन के अंदर माफी मांगे, अन्यथा 1,000 करोड़ रुपये की मानहानि के लिए तैयार रहें।

ऐसे में सवाल है कि कौन है इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जो पतंजलि के पीछे हाथ धोकर पड़ा है, जबकि अमेरिकी कम्पनी कोलगेट के 1985 से चल रहे भ्रामक विज्ञापन पर कोई एक्शन नही लिया? जिस दौर में भारत में लोग दांतों की सफाई के लिए नीम और कोयले का इस्तेमाल करते थे, लेकिन कोलगेट ने ही यहां आकर लोगों से इनकी जगह पर टूथपेस्ट इस्तेमाल करने के लिए कहा और आज यही कोलगेट अपने नए प्रॉडक्ट के विज्ञापन में कोलगेट यह कहते हुए दावा करता है कि 'कहते हैं चारकोल गजब की सफाई कर सकता है। बल्कि जड़ी बूटी दिखाकर वेद शक्ति जैसे प्रोडक्ट बेचने लगा।

दूसरा इस दौर में विदेशी कम्पनी फेयरनेस क्रीम हफ्तों में गोरा बनाने के नाम पर भारत में वार्षिक 650 करोड़ रुपये का व्यापार कर रही थी, तब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भ्रम नजर नहीं आया। भारत में ही कॉम्प्लान पिलाकर लंबाई बढ़ाने के नाम पर अरबों रुपये लूटने वाली विदेशी कम्पनी का फैलाया भ्रम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भ्रम नजर नहीं आया? और तो और यह भ्रम तब नजर नही आया, जब माउंटेन ड्यू पीकर रितिक रोशन बुर्ज खलीफा से बाइक से नीचे आता है? और ना ही मिन्टोस से दिमाग की बत्ती जलती बुझती दिखी? आई.एम.ए. को बस दिखता है सिर्फ पतंजलि।

असल में मामला ये है कि विदेशी कंपनियों ने भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के लिए मॉडर्न मेडिसिन को बढ़ावा दिया, जिसके कारण लोग और बीमार हो गए जिससे

वेद आधारित चिकित्सा की अन्तिम आशा आयुर्वेद को समाप्त करना मुख्य उद्देश्य

पतंजलि को नोटिस भेजने से कुछ समय पहले ही आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. जे.ए. जयालाल ने क्रिश्चियनिटी टुडे नामक एक पत्रिका को इंटरव्यू में कहा था कि भारत सरकार, हिन्दुत्व में अपने सांस्कृतिक मूल्य और पारम्परिक विश्वास के कारण, आयुर्वेद नामक एक प्रणाली में विश्वास करती है। वह इसे एक राष्ट्रीय चिकित्सा प्रणाली बनाना चाहते हैं और आगे वे इसे एक धर्म बनाना चाहेंगे। वह भी संस्कृत भाषा पर आधारित होगा, जो हमेशा पारंपरिक रूप से हिन्दू सिद्धांतों पर आधारित होती है। लोगों के मन में संस्कृत की भाषा और हिन्दुत्व की भाषा को पेश करने का एक अप्रत्यक्ष तरीका है, मैं देख सकता हूं, उत्पीड़न के बीच भी, कठिनाइयों के बीच भी, यहां तक कि सरकार के नियंत्रण के बीच भी खुले तौर पर बाइबिल के संदेश का प्रचार करने में हमारे सामने आने वाली बाधाओं के बीच, विभिन्न तरीकों और मार्गों से, ईसाई धर्म बढ़ रहा है।

और कंपनियों ने मोटा मुनाफा कमाया। यानि एक बीमारी की दवा देकर अन्य चार बीमारी और खड़ी की तथा अरबों-खरबों का बाजार स्थापित किया। इस एलोपैथी डॉक्टरों की सबसे ताकतवर और नामी एसोसिएशन है इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इसकी स्थापना 1928 में हुई, जब भारत पर अंग्रेजों का शासन था। उससे पहले कुछ डॉक्टर और उनका एक छोटा ग्रुप ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन से जुड़ा हुआ था। इस संस्था के पूरे देश में ब्रांच थे जो स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों की जरूरत का ख्याल रखता था। देश की आजादी के बाद इसी संस्था के लोगों ने बाद में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना की। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन के साथ एक करार हुआ जिसमें कहा गया कि बिटिश एसोसिएशन का भारत में कोई ब्रांच नहीं होगा। मसलन अब आगे आई .एम.ए. काम करेगी। फिलहाल आई.एम.ए. का हेडक्वार्टर दिल्ली में है। देश के अनेकों राज्यों में इसकी शाखाएं हैं। आप आई.एम.ए का लोगो गौर से देखिये जिसमें ग्रीक पेंथियन के कथित देवताओं में से एक हर्मीस, जिसे आत्माओं का मार्गदर्शक कहा जाता है। उसका हथियार ही शायद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इस्तेमाल करता है?

दूसरा, जिस दौरान स्वामी रामदेव जी पर जुर्माना की मांग की, तब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रमुख थे डॉ॰ जे॰ ए॰ जयालाल। लेकिन यह पूरा नाम नहीं था इनका पूरा नाम था डॉ. जॉनरोज ऑस्टिन जयालाल। यह एक डॉक्टर कम-एक पादरी अधिक थे।

- *जारी पृष्ठ 7 पर*

हास्य-व्यंग्य

चुनाव का पर्व-देश का गर्व : विश्व के सबसे लोकतान्त्रित देश भारत का लोक सभा निर्वाचन - 2024

घोषणा पत्र बिकाऊ है

- डॉ० पूर्ण सिंह डबास

सत्संग में होने वाले शांति पाठों का अपने राम पर ऐसा दुष्प्रभाव पड़ा कि लड़ने के नाम से ही कंपकंपी चढ़ने लगी। इसीलिए चुनाव को, जो कि लड़ा जाता है, मैं कभी नहीं लड़ सका। नतीजा यह निकला कि नेता नाम के राष्ट्रीय कमाऊ पूतों की श्रेणी में दीक्षित होने के सारे सपने धरे के धरे रह गए। एक बार उत्साहित होकर जिला स्तर की एक राष्ट्रीय पार्टी का गठन भी किया, और उसका नाम भी बड़ा जोरदार रखा - धमाका पार्टी। इस पार्टी का, दस बिंदुओं वाला, अर्थात् एक दस नंबरी चुनाव घोषणा पत्र भी तैयार किया, लेकिन चुनाव के ऐन मौके पर अपनी पुरानी कमजोरी फिर आगे आ खड़ी हुई और किसी कृष्ण के अभाव में अपना रथ चुनाव के कुरुक्षेत्र से वापिस लौट आया। तभी से धमाका पार्टी का वह चुनाव घोषणा पत्र बेकार पड़ा हुआ है। लेकिन अब, जबकि जगह-जगह चुनाव-युद्ध की भेरी बजने लगी है, सोचता हूँ इसे जारी कर दूँ। मेरे काम नहीं आया तो किसी और का ही भला हो जाए। हाँ शर्त यह है कि जो भी चुनाव-योद्धा या दल इसका इस्तेमाल करे, वाजिब दाम देना न भूले। तो दस नंबरी चुनाव घोषणा पत्र आपकी सेवा में हाजिर है।

1. देवियो और सज्जनो! 'आज की ज्वलंत समस्या उदारीकरण है। इस विषय में हमारी पार्टी की नीति है कि यह उदारीकरण और साथ ही निजीकरण पर बल देगी। अपनी पुरानी संस्कृति - 'उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटम्बकम्' (उदार लोगों के लिए तो यह पूरी धरती ही कुटंब है) से प्रेरणा लेकर हमारी पार्टी की सरकार इतनी उदार बन जाएगी कि नागरिक सरकारी और राष्ट्रीय सम्पत्ति का बेखटके निजीकरण कर सकेंगे। उदारीकरण करने के लिए जनता जनार्दन को प्रेरित किया जाएगा। सड़कों के साथ, सौभाग्य से खाली बच गए फुटपाथों पर कब्जा करवा कर अधूरी पड़ी कब्जा-प्रक्रिया को पूर्णता प्राप्त करवाई जाएगी। फुटपाथों पर पनपने वाले व्यापार से हमारे व्यापार जगत को नई प्रेरणा और दिशा मिलेगी। फुटपाथी व्यापार की इस स्वदेशी टैक्नीक का यूरोपीय देशों को निर्यात किया जाएगा। यूरोप के देश क्या खाक विकसित देश हैं जिनके महानगरों में इतने मूल्यवान फुटपाथ आज तक खाली पड़े हैं। इसके लिए कानून में संशोधन करके निर्वाचित प्रतिनिधियों को अधिकार दिया जाएगा कि वे दो-दो लाख रुपये की दक्षिणा लेकर फुटपाथों पर दुकानें आवंटित कर सकें।

पुलिस को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा कि वह निगम-कर्मचारियों और स्थानीय माफिया के साथ मिलकर जगह-जगह पार्किंग-स्थल कायम कर सकें। जो थाना इस शुभ कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा उसके एस. एच. ओ. को अगली पोस्टिंग में और भी ज्यादा कमाऊ थाना प्रदान किया जाएगा।

2. हमारी पार्टी सरकारी तंत्र के सड़े-गले ढांचे का पुनर्गठन करेगी। बेकार पड़े कुछ मंत्रालय और विभाग बंद कर दिए जाएंगे और बाकी को नया रूप दिया जाएगा। अनेक नए मंत्रालयों की स्थापना की जाएगी और उनमें एक-एक मंत्री भी स्थापित किया जाएगा। इन नए मंत्रालयों में वायदा मंत्रालय, बयान मंत्रालय, घोषणा मंत्रालय तथा घोटाला मंत्रालय मुख्य होंगे।

वायदा मंत्री जनता से तरह-तरह के मधुर वायदे करेगा और वायदा पूरा न होने पर मौलिक बहानों का आविष्कार करेगा या दोष विपक्ष पर मढ़ देगा।

बयान मंत्री निरंतर बयान जारी करेगा जिसमें विपक्षी सरकारों को बर्खास्त करने, दोषी पाए जाने पर राजनीति से संन्यास लेने तथा विरोधियों से इस्तीफा मांगने जैसे बयान बार-बार दोहराए और छपवाए जाएंगे। जारी बयानों को जरूरत के मुताबिक वापिस लेने का, उनसे मुकरने का तथा उनमें तोड़-मरोड़ करने की जिम्मेदारी भी यही मंत्री निभाएगा।

घोषणा मंत्री सरकार की संभव-असंभव सभी प्रकार की योजनाओं और कल्पनाओं की घोषणा करेगा। जैसे कि राजधानी में साल भर की अवधि में पचास फ्लाई ओवर बनाए जाएंगे, ऐक्सप्रैस हाइवे का निर्माण किया जाएगा, साइकिल ट्रैक बनाए जाएंगे, फुटपाथ खाली करवाए जाएंगे तथा मक्खी-मच्छरों की हरकतों पर पाबंदी लगाई जाएगी। घोषणा मंत्री इन या इन जैसी सभी योजनाओं के शुभारंभ के लिए 15 अगस्त या 2 अक्टूबर की पावन तिथियों की घोषणा करेगा लेकिन यह सावधानी बरतेगा कि इन तारीखों के साथ सन् का उल्लेख बिल्कुल न किया जाए।

घोटाला मंत्रालय नई घोटाला नीति तैयार करेगा। इस नीति के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के लिए क्रांतिकारी घोटाला योजनाएँ बनाई जाएंगी ताकि जो नेता पहले की योजनाओं से लाभान्वित नहीं हो सके वे इन नई योजनाओं से अपना उद्धार कर सकें।

3. धमाका पार्टी की सरकार एक विशेष विभाग का गठन करेगी जिसका नाम होगा : 'आमूल-चूल परिवर्तन विभाग'। यह विभाग सीधे पार्टी-मुखिया के निर्देशन में काम करेगा। यह विभाग, बहुत दिन मजे कर चुके, अमीरों को, गरीबों की श्रेणी में पहुँचाएगा और दीन-हीन गरीबों को अमीरी का मजा चखाएगा। शहरों को गाँवों में बसाया जाएगा और गाँवों को शहरों में शिफ्ट किया जाएगा। माइनॉरिटी को मैजॉरिटी में बदलेगा और मैजॉरिटी को माइनॉरिटी बनाएगा। नस्ल-भेद खत्म करने के लिए कालों को गोरों से और गोरों को कालों से शादी करना अनिवार्य किया जाएगा। इसके साथ ही खर्चीली चुनाव प्रक्रिया को समाप्त किया जाएगा। फिल्मों से प्रेरणा लेकर मैदान में कूदे उम्मीदवारों से, उनके समर्थकों की उपस्थिति में, द्वन्द्वयुद्ध और मल्लयुद्ध कराए जाएंगे और जो विजयी होगा उसे निर्वाचित घोषित किया जाएगा। इस प्रक्रिया से ज्यादा से ज्यादा बाहुबली लोकसभा और विधान सभाओं में पहुँचेंगे और देश मजबूत बनेगा। सर्वश्रेष्ठ बाहुबली को लोकसभा के अध्यक्ष पद पर बैठाया जाएगा जिससे अनुशासन कायम करना आसान हो जाएगा।

- शेष पृष्ठ 7 पर

स्वास्थ्य रक्षा

उत्तम स्वास्थ्य के सूत्र एवं रोगों से बचाव

आर्य सन्देश के इस अंक में स्वास्थ्य रक्षा स्तंभ में हम आपको बता रहे हैं कुछ वे उपयोगी प्रचीन नुस्खे जिनको अपनाकर आप जटिल बीमारियों से स्वयं को ओर अपने परिवार स्वस्थ रख सकते हैं। लेकिन हम यहां पर यह अवश्य स्पस्ट करना चाहते हैं कि ये पुराने वैद्यों द्वारा प्रचलित घरेलू नुस्खे हैं, अतः अगर किसी को कोई खतरनाक बीमारी हो तो कृपया अपने चिकित्सक का परामर्श और उपचार ही प्रयोग में लाएं और स्वस्थ रहें। - सम्पादक

श्वेत प्रदर :-1. गुलर के तीन पत्ते + 1 चम्मच मिश्री + 50ग्राम पानी में पीसकर सुबह खाली पेट सेवन करें।
2. शीशम 8-10 पत्ते +1 चम्मच मिश्री +50ग्राम पानी में पीसकर सेवन करें।
3. पका केला + गाय का घी 3 ग्राम के साथ खाने से ठीक होगा।
4. भोजन के बाद मूली का सेवन करें।
5. गाय के दूध में +5 ग्राम तुलसी रस मिलाकर पीयें।
6. धनिया बीज भीगोकर मिश्री के साथ पीसकर सेवन करें।

रक्त प्रदर

1. दूबी का रस 3 चम्मच + 1 चम्मच मिश्री खाली पेट लेवें।
2. डूमर के 3 पत्ते + 1 चम्मच मिश्री पीसकर खाली पेट लेवें।
3. गेंदे के पत्ते का रस 10 ग्राम काढ़ा बनाकर सुबह शाम 15 दिन तक लेवें।

परहेज- खटाई, मसाला, मैदा, बेसन, गोभी, उडददाल, सूखामटर, बासी भोजन निषेध।

मासिक अनियमितता

(1) एक्यूप्रेशर में प्रदर्शित अण्डाणु एवं गर्भाशय पाईट को खाली पेट सुबह शाम दबाएं।
1. आम के सूखी पत्तियों को आग में जलाकर पाउडर बनायें, और 50ग्राम पानी में घोलकर पीयें।
2. तेजपत्र का काढ़ा पीने से लाभ होता है, अजवायन 5 ग्राम+काला नमक का काढ़ा पीवें।
3. भुना सुहागा 1 चम्मच पानी में मिलाकर पीयें सुबह शौच से पहले 1 गिलास पानी पीवें। 4. रजा प्रवर्तन बटी व स्त्री रसायन बटी लेवें।

मासिक धर्म की अधिकता

1. जामुन छाल का चूर्ण/काढ़ा बनाकर 1 चम्मच काढ़ा + दूध के साथ पीयें। अश्वगंध चूर्ण 1 चम्मच + 1 चम्मच शुद्ध मिश्री + सामान्य पानी के साथ सेवन करें। मासिक धर्म में आने वाला खून नियंत्रित होगा।
2. धनिये का काढ़ा बनायें और छानकर पिलायें।
3. शीशम पत्ते 8-10 + 1 चम्मच मिश्री के साथ खाली पेट लेवें।
4. गुलर (डूमर) के 4 पत्ते + 1 चम्मच मिश्री के साथ खाली पेट लेवें।

मासिक बंद- बांस के पत्तियों का काढ़ा बनाकर पीयें।

बांझपन

1. ढ़ाक के पत्तों का रस 10ग्राम + गाय दूध में पीयें। गर्भ ठहरने के बाद भी पत्ते + दूध पीने से संतान ओजस्वी होती है।
2. शिवलिंगी बीज + कौच बीज का पाउडर बनाकर + दुध में लेवें।
3. नागकेसर चूर्ण + गाय का दूध मिलाकर पीने से स्त्रियाँ जल्दी गर्भवती होती है।

- *जारी अगले अंक में*

200वें वर्ष पर आर्यसमाज सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली द्वारा विशेष भजन संध्या एवं शोभा यात्रा

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों के उत्थान एवं विस्तार के लिए कार्यरत दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य केंद्रीय सभा, एवं वेद प्रचार मण्डलों के अधिकारियों के प्रति निष्ठा भाव रखते हुए 24 मार्च 2024 को आर्य समाज सुदर्शन पार्क द्वारा एक विशेष भजन संध्या एवं शोभा यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी, आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री श्री सतीश चड्ढा जी, अखिल भारतीय दयानंद सेवा श्रम संघ के महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर जी, वेद प्रचार मण्डल पश्चिमी दिल्ली के प्रधान कर्नल श्री रमेश मदान, श्री ओम प्रकाश आर्य, श्री विनीत बहल, श्री कृपाल सिंह आर्य, श्री ओम प्रकाश अरोडा, श्री जितेन्द्र पाहूजा, श्री रामनिवास, डॉ. नरेश आहूजा, श्री दीपक चौपड़ा, श्री हरिओम बुद्धिराजा, श्री भारत भूषण, श्री प्रवीन मलिक, एवं सभी क्षेत्रीय आर्य समाजों के अधिकारी कार्यकर्ता और सदस्य उपस्थित रहे। श्री देव आर्य ने सारगर्भित प्रेरक और मधुर भजन प्रस्तुत किए, जिससे सम्पूर्ण वातावरण को मधुरता से युक्त हुआ। इसके उपरांत निकाली गई विशाल शोभायात्रा का दृश्य विहंगम था। जिसमें श्री विनय आर्य और श्री जोगेंद्र खट्टर, श्री राकेश आर्य खुली जीप में जय-जयकार करते हुए बाईकों पर सवार साथियों के साथ महर्षि दयानंद सरस्वती जी की महिमा का गान करते हुए आगे बढ़ रहे थे। चारों तरफ़ उमंग उत्साह उल्लास का वातावरण था, जिसे देखकर सभी पूरे क्षेत्र में जागृति का संदेश गया। इस अवसर पर श्री विनय आर्य, श्री सतीश चड्ढा, श्री जोगेंद्र खट्टर इत्यादि महानुभावों का फूल मालाओं से अभिनंदन किया गया और उनके द्वारा किए जा रहे आर्य समाज के सेवा कार्यों, उनके आदर्शों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी के प्रति भी उनकी प्रेरणा और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम प्रेम सौहार्द के वातावरण में अत्यंत प्रेरक और सफल सिद्ध हुआ।

- राकेश आर्य, मन्त्री

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का निर्वाचन सम्पन्न : श्री सुर्दशन शर्मा जी पुनः अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का त्रैवार्षिक साधारण अधिवेशन एवं चुनाव दिनांक 7 अप्रैल, 2024 को सभा कार्यालय गुरुदत्त भवन, चौक किशनपुरा, जालन्धर में सम्पन्न हुआ, जिसमें पूरे पंजाब से लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यज्ञ और भजन के उपरान्त चुनाव प्रक्रिया दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुई। विनय आर्य जी ने पंजाब सभा के इतिहास का वर्णन करते हुए प्रधान पद के लिए नाम प्रस्तुत करने को कहा जिस पर सर्वश्री रंजीत आर्य, सुदेश कुमार, श्रीमती ज्योति नन्दा, मनोज आर्य, कमल किशोर, वेद आर्य, ध्रुव मित्तल, संगीत आर्य, श्रीमती गीता आर्य, वीरेन्द्र सरीन, अरविन्द नारद एवं राकेश मेहरा ने श्री सुर्दशन शर्मा जी का नाम प्रधान पद के लिए प्रस्तुत किया। प्रधान पद के लिए श्री सुदर्शन शर्मा जी

- जारी पृष्ठ 7 पर

नव निर्वाचित प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी के साथ सर्वश्री प्रेम कुमार, नरेश शर्मा, ऋषि शर्मा, पवन गर्ग, सुलक्ष्य कुमार, रणजीत आर्य, अशोक परूथी एवं अन्य महानुभाव के साथ निर्वाचन अधिकारी एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य।

महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जयन्ती के अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में

विभिन्न सेवा बस्तियों, आर्यसमाजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सामान्य स्वास्थ्य जाँच शिविर सम्पन्न

सर्वविदित है कि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा निरन्तर मानव सेवा और राष्ट्र कल्याण के कार्यों के प्रति समर्पित है। सभा द्वारा जहाँ एक तरफ झुग्गी-झोपड़ियों में, सेवा बस्तियों में रहने वाले मज़दूर स्त्री-पुरुष और बच्चों के स्वास्थ्य जाँच शिविर के आयोजन किए जाते हैं, वहीं पर समय-समय पर विशेष जाँच शिविरों के भी आयोजन किए जाते हैं।

आज कल मौसम परिवर्तन के कारण दिल्ली में लगातार बीमारियों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच सेवा बस्तियों में रहने वाले ग़रीब लाचार मजबूर लोगों के सामने अपने दिहाड़ी मज़दूरी करना हमेशा की चुनौती है वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चारों तरफ़ मच्छर-मक्खी, गंदगी और गरमी-सर्दी के कारण बुखार, खाँसी आदि की समस्याएँ सबके सामने है। झुग्गी-झोपड़ियों की जर्जर हालत उसमें भी बुजुर्गों और बच्चों की परेशानी और धन का अभाव आदि ये तमाम समस्याओं को देखते हुए आर्य समाज की सेवा भावी इकाई स्वास्थ्य सेवा जागरूकता अभियान स्वास्थ्य सेवा को लगातार आगे बढ़ रही है। इस समय जब चारों तरफ़ दिल्ली में मौसम परिवर्तन के कारण बीमारियों का प्रकोप है तब वो ग़रीब दिहाड़ी मज़दूर लोगों के स्वास्थ्य की चिन्ता करते हुए जगह जगह स्वास्थ्य जाँच शिविर के आयोजन किए जा रहे हैं। यह मानवता की पुकार है, इसलिए पिछले दिनों आर्य समाज की स्वास्थ्य जागरूकता की टीम एंबुलेंस के साथ सेवा बस्तियों में जाकर लगातार लोगों के स्वास्थ्य की जाँच कर रही है। परिणाम स्वरूप आम साधारण लोगों को अपने शरीरों में व्याप्त बीमारियों का पता चल रहा है और वे केवल लक्षणों के आधार पर कैमिस्ट से दवाई न लेकर प्रोपर अपनी बी.पी., शुगर, ब्लड जाँच की रिपोर्ट को डॉक्टरों को दिखाकर उपचार प्राप्त कर रहे हैं, इससे सैकड़ों लोगों को लगातार लाभ प्राप्त हो रहा है। प्रस्तुत है विभिन्न क्षेत्रों सिगरेट वाला बाग, मॉडल टाउन, शिव विहार, मायापुरी-1, विकास नगर में स्वास्थ्य जाँच शिविरों की झलकियाँ

ज्ञान ज्योति पर्व महासम्पर्क अभियान

प्रथम पृष्ठ का शेष

को संबोधित करते हुए कहा था कि जहाँ हम देवयज्ञ में आहुति देते हैं, वहीं हमें अपने कर्तव्य यज्ञ को करने का भी संकल्प लेना चाहिए। इसके लिए हमें महर्षि दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं को, उनके सेवा कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि आजकल के समय में व्यक्ति को दस-पाँच साल भी याद रखना बड़ा कठिन होता है लेकिन महर्षि दयानंद सरस्वती जी 200 वर्ष के बाद भी हमारे दिलों में जीवित हैं। आर्य समाज के सभी महानुभावों को महर्षि दयानंद सरस्वती के संदेश को और आर्य समाज के सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान चलाना चाहिए।

माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से आर्य समाज द्वारा लगातार जो अभियान चलाए जा रहे हैं, चाहे वेद परिवारों का निर्माण करना हो अथवा गरीब निर्धन लोगों कि चिकित्सा, सेवा के कार्यों का संचालन हो, चाहे वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों का प्रचार प्रसार करना हो, सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना हो अथवा महर्षि की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प हो, उपरोक्त सारे कार्य पूरी शक्ति के साथ लगातार चल रहे हैं।

ज्ञान ज्योति पर्व संपर्क महाभियान

इस योजना में सभी आर्य परिवारों से निवेदन है कि वे 200 नए लोगों से संपर्क करें, यहां प्रश्न उठता है कि सम्पर्क क्यों करें? आर्य समाज एक ऐसा अनोखा और अनूठा संगठन है जिसकी स्थापना महर्षि दयानंद सरस्वती ने 1875 में मुंबई में की थी। तब से लेकर अब तक आर्य समाज लगातार राष्ट्र और मानव सेवा के कार्य कर रहा है, इसके लिए महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जीवनी, आर्य समाज के सेवा कार्य, महर्षि जी के स्वयं लिखित सत्यार्थ प्रकाश आदि महान ग्रंथ तथा उनकी प्रेरणा से आर्य समाज द्वारा निर्मित वैदिक साहित्य तथा कुछ नया साहित्य और अनेक अन्य उपयोगी जानकारियाँ एक छोटे से 8 पेज के निमंत्रण पत्रक में दिए गए हैं और वे भी स्कैन कोड के माध्यम से, बस हमें करना क्या है कि उन सभी महानुभावों को जिन नए लोगों से हम संपर्क करेंगे, संवाद करेंगे उनको वह निमंत्रण पत्र देना है और आर्य समाज में आमंत्रित करना है। उनसे यह निवेदन भी करना है कि जो निमंत्रण पत्र आपको दिया गया है, उसमें जो जो क्यू आर कोड दिए गए हैं उनको वें स्कैन करें और अपने इष्ट मित्रों को भी प्रेषित करें। जिससे एक ऐसी बडी चैन बने जो की आने वाले 2025 में जब आर्यो का महासम्मेलन दिल्ली में भव्य और विशाल रूप से होगा, तब उनको हम आमंत्रित कर सकें और वो हमारे यहाँ पर आकर देख सकें कि आर्य समाज ने किस तरह से मानव सेवा की है और किस प्रकार यह सेवा अभियान चल रहा है और इनकी भविष्य की योजनाएं कितनी सुदृढ़ हैं। यह अभियान अपने आप में ऐतिहासिक होगा और बहुत बड़ा होगा। तो इसके लिए सभी लोग एक जुट होकर के आर्य परिवार आगे बढ़ें, वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों का प्रचार प्रसार करें, महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाएं और आर्य समाज के प्रचार-प्रसार के इस अभियान में अपना पूरा सहयोग दें।

वेद परिवार निर्माण योजना

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने आर्य समाज के नियमों में यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वेद का पढ़ना और पढ़ाना सब आर्यों का परम धर्म है। अत: उनकी 200वीं जयंती वर्ष पर हम सबको वेद परिवार निर्माण योजना का हिस्सा बनना चाहिए। इस महत्वपूर्ण योजना ये जुडने के लिए क्या करें? हम स्वयं अपने परिवार में चारों वेदों में से किसी एक वेद के 50 मंत्रों को पढ़ें, याद करें और जब 2025 में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली में होगा तब उस समय इन मंत्रों का सार्वजनिक रूप से पाठ करें। तो इस तरह हम सब वेद परिवार के सदस्य बन जाएंगे।

ज्ञात हो कि यह योजना पूर्व समय से चल रही है। अब तक सामवेद परिवार और अथर्ववेद परिवार पूरे हो चुके हैं। ऋग्वेद और यजुर्वेद परिवार क्रमश: आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन कोई भी जो परिवार वेद परिवार का हिस्सा बनना चाहता है वे ऊपर दिए गए व्हाट्सऐप नंबर पर मैसेज करके अपना पंजीकरण करवाएं और वेदों के मंत्रों को कंठस्थ/पाठ सीखकर अपने परिवार में एक नई आदर्श परम्परा को जन्म दें। स्वयं वेद परिवार का हिस्सा बनें और दूसरों को भी इसअभियान से जोड़ें।

इसी तरह से आर्य समाज द्वारा संचालित घर घर यज्ञ, हर घर यज्ञ, जैसी कई योजनाएं प्रचलित हैं, और इसके लिए विशेष रूप से अभियान चलाए जा रहे हैं। यज्ञ के लाभ, यज्ञ की विधि, यज्ञ के विज्ञान, यज्ञ के शोध और विशेष परिणाम आदि के विषय में विस्तार से जानने के लिए मिस कॉल करें। अथवा यज्ञ कराने के लिए मिस कॉल करें, यज्ञ के साधन सामग्री प्राप्ति के लिए मिस कॉल करें, जिससे हर घर में यज्ञ और वेद की ज्योति जलती रहे।

श्री धर्मपाल आर्य जी के जन्मदिवस पर यज्ञ

परिवार की ओर से सभा को 11 लाख का सहयोग : हार्दिक आभार

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी का 71वां जन्मदिवस 3 अप्रैल, 2024 को सभा की ओर से आर्यसमाज हनुमान रोड की यज्ञशाला में यज्ञ करके मनाया गया। स्वास्थ्य कारणों से उनके स्वयं उपस्थित न हो पाने के कारण सुपुत्र श्री विवेक गुप्ता जी पौत्र के साथ-साथ महामन्त्री श्री विनय आर्य सहित कार्यकर्ताओं ने यज्ञ में आहुतियां प्रदान की। माननीय प्रधान जी सपत्नीक ऑनलाइन रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को 11 लाख रुपये की राशि का सहयोग भी प्रदान किया। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य सन्देश परिवार की ओर से माननीय सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि वे उन्हें शताधिक स्वस्थ जीवन एवं ऐश्वर्य प्रदान करे। - ***सम्पादक***

साप्ताहिक स्वाध्याय

गतांक से आगे –

गंगा तट पर सिंहनाद

(सन् 1867 से 1869 के सितम्बर मास तक)

ब्रह्मचारी महर्षि दयानन्द ने एक झटके से पहलवान को दूर फेंक दिया और सिंह के सदृश गरजकर कर्णसिंह से कहा– 'अरे धूर्त! यदि लड़ना है तो जयपुर और धौलपुर के राजाओं से लड़ो और यदि शास्त्रार्थ करना है तो अपने गुरु रंगाचार्य को वृन्दावन से बुलवा लो!'

इतने में वहां उपस्थित जनता में से ठाकुर कृष्णसिंह आदि राजपूत लट्ठ लेकर खड़े हो गए और कर्णसिंह को ललकारने लगे। कायर कर्णसिंह अपने पहलवानों को साथ लेकर वहां से चला गया।

बहुत–से लोगों ने महर्षि जी से प्रार्थना की, कि इस घटना की सूचना पुलिस में दी जाय। महर्षि जी ने स्मरणीय उत्तर दिया। आपने कहा, यदि वह अपने क्षत्रियत्व को पूरा न कर सका तो हम क्यों अपने संन्यास धर्म से पतित होवें? सन्तोष करना ही हमारा परम धर्म है। इसके पीछे भी कर्णसिंह कई नीच उपायों से अपना क्रोध शान्त करने का यत्न करता रहा। महर्षि जी को मारने के लिए उसने कुछ बदमाश भेजे। योगी की हुंकार सुन वे इस प्रकार बदहवास भागे कि गिरकर मरते–मरते बचे। कर्णसिंह ने कुछ वैरागियों को भी महर्षि जी को मारने के लिए तैयार करना चाहा, पर किसी की हिम्मत ही न पड़ी। आखिर बात बढ़ गई। महर्षि जी के भक्त राजपूतों ने लट्ठ लेकर कर्णसिंह के बंगले को घेर लिया और बाहर निकलकर लड़ने के लिए ललकारा। कर्णसिंह के श्वसुर ठाकुर मोहनसिंह ने भी उसे समझाया कि यदि खैर चाहते हो तो यहां से भाग जाओ। कायर कर्णसिंह दूसरे रोज कर्णवास से भाग गया, और घर जाकर पागल हो गया। मणि और कांच की प्रतिद्वन्द्विता में मणि ने मणिता प्रकट कर दी और कांच ने कांचता। शेर की खाल ओढ़कर सियार केसरी नहीं बन सकता; जो हृदय से शेर है वही असली शेर है। महर्षि दयानन्द हृदय के शेर थे।

कर्णवास से आसन उठा तो महर्षि दयानन्द चाशनी, ताहरपुर और अहार होते हुए अनूपशहर पहुंचे। जहां गए, वहां मूर्ति–पूजा, मृतक श्राद्ध और फलित ज्योतिष आदि का खण्डन किया।

अनूपशहर में महर्षि जी लगभग चार मास तक रहे। जिन लोगों ने उस समय उन्हें देखा, वे देर तक भी उस मूर्ति को न भूल सके। लम्बा कद, सुडौल शरीर, चौड़ी छाती, सुन्दर और प्रभावशाली चेहरा, शेर की आंख को झपका देनेवाली आंखें, उन्नत और विशाल मस्तक! यह बनावट जिसने एक बार देख ली वह उसे कैसे भूल सकेगा? उस समय एक कौपीन ही महर्षि जी का परिच्छद था; सर्दी हो या गर्मी, आंधी हो या पानी, यही परिच्छद शरीर की रक्षा के लिए काफी था। प्रात: काल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर महर्षि जी समाधिस्थ हो जाते और घण्टों तक ध्यानावस्थित रहते। उसके पश्चात् एकत्र हुई प्रजा को धर्म का उपदेश प्रतिदिन देते। जो भिक्षा आ जाती, उसी से निर्वाह कर लेते। उपदेश प्रतिदिन ही होता। पण्डित लोग अपने बुद्धिबल की परीक्षा के लिए आते। उनमें से कोई शहर से बाहर ही रुक जाते। जो शहर में आते वे सामने आकर शास्त्रार्थ करने की अपेक्षा दूर से गाली प्रहार को ही बहादुरी समझते। जो सामने आ जाते, वे प्रत्युत्पन्न–बुद्धि, युक्ति युक्त भाषण और ब्रह्मचर्य के ओज से प्रदीप्त आंखों के सामने या तो सिर झुकाते या शीघ्र ही कोई बहाना बनाकर सरकने का उपाय ढूंढते। पं. हीरावल्लभ और पंडित टीकाराम मूर्तिपूजक थे। कई बार महर्षि जी से भिड़े भी, परन्तु अन्त में शिष्य बन गए और मूर्तियों को गंगा में प्रवाहित कर दिया। उनकी देखदेखी अनेक गृहस्थों ने भी मूर्तिपूजा को त्यागकर पूजा की सामग्री भागीरथी के पवित्र प्रवाह के अर्पण कर दी।

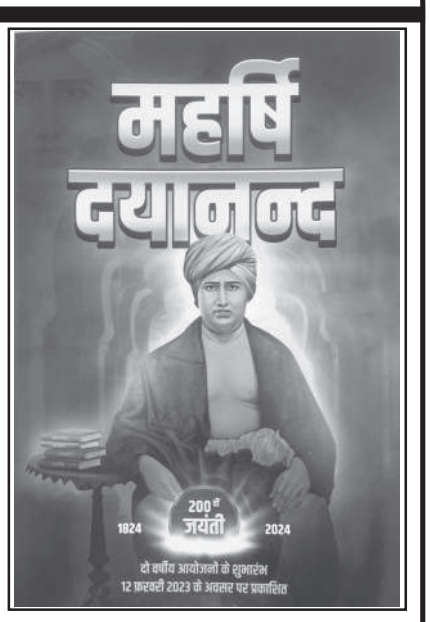

मूर्तियों का जल–प्रवाह उन लोगों से न सहा गया, जिनकी उदरपूर्ति का साधन ही मूर्ति पूजा था। ब्राह्मण लोग नाराज हो गए और पराजित कायरों के हथियारों से कार्य लेना आरम्भ किया। महर्षि जी को एक ब्राह्मण ने पान में जहर दे दिया। स्वामी जी को पता चल गया और उन्होंने न्योली क्रिया द्वारा विष को शरीर से निकाल दिया। यह घटना वहां के तहसीलदार सैयद मुहम्मद को पता लग गई। वह स्वामी जी का बड़ा भक्त था। उसे ब्राह्मण की दुष्टता पर बड़ा क्रोध आया। ब्राह्मण को उसने गिरफ्तार कर लिया और यह जानने के लिए कि उसे क्या दण्ड दिया जाय, महर्षि जी के निकट आया। महर्षि जी उससे बोले तक नहीं। **– क्रमश:**

पं. इन्द्र विद्यावाचस्पति जी द्वारा लिखित एवं 200वीं जयन्ती पर पुन:प्रकाशित जीवनी महर्षि दयानन्द से साभार
पुस्तक प्राप्ति के लिए ऑनलाइन www.vedicprakashan.com पर अथवा 9540040339 पर आर्डर करें

Continue From Last Issue

Fight Against the Garh (Strong Base)

Swami Dayanand sent a message to the King of Kashi, "If you want to know finally who is right and who is wrong, send your Pandits for debate. So the King advised the Pandits to get ready for debate. They said "Swami Dayanand is wise Pandit of Vedas, and gives reference of vedas. We should be given to prepare and search proofs from Vedas. So they were given permission for 15 days. They kept them busy in getting well prepared. Kartik Shudi 12 was decided the day for debate. Madho Bagh was decided for the program as Swamiji refused to move away from there. Period of 15 days was over.

The king arranged for needed transport for the Pandits to reached Madho Garden for debate. It was the day of Examination for the Pandits. Their future depended upon their success. There was Swami Dayanand wearing copeen (underwear) only on the other side for debate. Vidya was his weapon, Satya (Truth) was his Fort and Ishwar was his helper. On the other side there was a strong group of Pandits. They had sword of Vidya with them, but it had become unuseful as they had no independent wisdom other than the wrong tradition. Truth had already been covered with the money. Idols had taken place of God on one side and on the other side the King was also considered as God. Where as Swami Dayanand was sitting quite fearless and without any confusion considering God as his helper and Satya as his weapon, on the other hand the Pandits were considering their Vidya and helping hand as weak. So they were trying so many ways to be confident. But Dayanad was not a stream of fire that could be blown with air.

99% of the public coming to the place of debate believed in Idol worship. They were not going there to observe and decide what was true and what was wrong. But they were quite confident of about victory of their Pandits. They were told that Dayanand was a great 'Nastik' who did not believe in worship and he abuses Vishwa Nath in Vishwa Nathpuri (Kashi). Among them there were nice persons as well as very bad persons. Nice persons were wishing success for their Pandits and others were planning to attack the Nastik with stones and bricks. The arrangement of the debate was under the control of Raghu Nath Sahay, the Kotwal (S.H.O.) of the city. He was a nice person. He had given the system that only Pandit could take part in the debate at a time so that the program may go on peacefully and they should not sit surrounding Swami Dayanand. There where three seats placed on some height. One was for Kashi Naresh, the second for Swamiji and third for the Pandit taking part in debate.

There was a large number of opponents and there were so many gundas! The well wishers of Swamiji were quite afraid. One of them discussed about all that, Swamiji pacified him in the name of belief in God and fearlessness saying, "There is one God and one Dharm only. There is no one else to be get afraid. Let them all come. I will face them." Pandit Jawahar Das felt that Swamiji had already guessed what he had observd and felt fearless, undoubtful Sanyasi was ready for bearing the attack from the opponents and was smiling. The brave lion, who can challenge the lion in his cave, can also hear and bear his roar.

Very big army (team) of Pauraniks Kashi Naresh was there for showing to impress old Swami Vishudhanand for going very deep in discussion, and there were so many other famous Pandits like balshastri, Madhwacharya, Vamanacharya, Narayan and others. To make noise and disturbance there were students and some Gundas. In this way Pauranik army reached Madho Garden with slogan of victory. As the irregular and indisciplined army reached there, all the decided rules were broken. Scheme of Kotwal failed. Pandits surrounded Swamiji. No well wisher was allowed to sit near him. 50 thousand opponents started slogans of victoy.

To be Continue.....

पृष्ठ 2 का शेष

पतंजलि को नोटिस भेजने से कुछ समय पहले ही जयलाल ने क्रिश्चियनिटी टुडे नामक एक पत्रिका को इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत सरकार, हिन्दुत्व में अपने सांस्कृतिक मूल्य और पारम्परिक विश्वास के कारण, आयुर्वेद नामक एक प्रणाली में विश्वास करती है। वे इसे एक राष्ट्रीय चिकित्सा प्रणाली बनाना चाहते हैं, आगे वे इसे एक धर्म बनाना चाहेंगे। वह भी संस्कृत भाषा पर आधारित होगा, जो हमेशा पारंपरिक रूप से हिन्दू सिद्धांतों पर आधारित होती है। यह सरकार के लिए लोगों के मन में संस्कृत की भाषा और हिन्दुत्व की भाषा को पेश करने का एक अप्रत्यक्ष तरीका है, मैं देख सकता हूं, उत्पीड़न के बीच भी, कठिनाइयों के बीच भी, यहां तक कि सरकार के नियंत्रण के बीच भी खुले तौर पर बाइबिल के संदेश का प्रचार करने में हमारे सामने आने वाली बाधाओं के बीच, विभिन्न तरीकों और मार्गों से, ईसाई धर्म बढ़ रहा है।

ये शब्द किसी डॉक्टर के तो कम से कम नहीं हो सकते थे! लेकिन शब्द उस दौरान इन्डियन मेडिकल एसोसिएशन के चीफ के थे। अपने इंटरव्यू में डॉ. जयलाल कहता है कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के नेता के रूप में, मुझे सरकार के खिलाफ फाइलिंग जारी रखने की जरूरत है। हमने विभिन्न प्रदर्शनों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। पिछले 14 दिनों में, मैंने देश भर में भूख हड़ताल की है, और हमारे अधिकांश आधुनिक डॉक्टरों ने भाग लिया है, लेकिन इस समय, मैं इस कठिन समय में क्या करूंगा, इसके बारे में सर्वशक्तिमान ईश्वर से ज्ञान और मार्गदर्शन भी मांग रहा हूं। सिर्फ इतना ही नहीं, 'हेग्या इंटरनेशनल' को दिए इंटरव्यू में भी कहा कि जब मैं एक ईसाई डॉक्टर के रूप में काम करता हूं तो मेरी प्राथमिक चिन्ता यह सुनिश्चित करना है कि मेरे पास व्यक्ति की मानसिक भलाई और आध्यात्मिक उपचार के बारे में बात करने का समय है। हमें धर्मनिरपेक्ष संस्थानों, मिशन संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों में अधिक काम करने के लिए और अधिक ईसाई डॉक्टरों की आवश्यकता है।

यहाँ तक भी होता तो मान लिया जाता कि डॉक्टर थोडा सा धार्मिक है। लेकिन जयलाल आगे कह रहे थे कि मैं एक मेडिकल कॉलेज में सर्जरी के प्रोफेसर के रूप में काम कर रहा हूं, इसलिए यह मेरे लिए वहां ईसाई उपचार के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का एक अच्छा अवसर है। मुझे स्नातकों और प्रशिक्षुओं को सलाह देने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। साथ ही डॉक्टर साहब ये भी कह रहे थे कि कोरोना बीमारी को भारतीय गरीबों के बीच हमें एक अवसर की तरह लेना चाहिए, क्योंकि बीमार होने वाले अधिकांश लोग मध्यम या गरीब अधिक हैं।

जब यह सब चल रहा था, अचानक स्वामी रामदेव जी का एक बयान आया था कि एलोपैथी एक ऐसी स्टूपिड और दिवालिया साइंस है कि कोरोनो में पहले क्लोरोक्वीन फेल हुई, फिर रेमडेसिविर फेल हो गई। फिर एंटीबायोटिक, स्टेरॉयड फेल हुए, प्लाजमा थैरेपी के ऊपर भी बैन लग गया। बुखार के लिए भी जो दे रहे हैं फेवीफ्लू वो भी फेल है। ये तमाशा हो क्या रहा है। बुखार की कोई भी दवा कोरोना पर काम नहीं कर रही है।

इस पर इंडियन मैडिकल एसोसिएशन याचिका दायर की और कि कहा पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया। तब 2020 से 2021 तक सर्जन जेए जयलाल इस आई.एम.ए. के चीफ के पद पर थे।

इसके बाद एलोपेथी के पूरे गैंग ने मिलकर आयुर्वेद पर मानो हमला बोल दिया। पतंजलि के प्रोडक्ट्स को भ्रामक बताने लगे। आई.एम.ए ने तर्क दिया कि पतंजलि के विज्ञापनों ने औषधि एवं अन्य चमत्कारिक उपचार अधिनियम, 1954 डोमा और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 सिपिए का उल्लंघन है तहत, औषधियों के सम्बन्ध में भ्रामक विज्ञापनों का प्रतिषेध है, जिसके लिये कारावास या जुर्माना हो सकता है।

क्योंकि बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं चाहती कि भारत के लोग आयुर्वेद की ओर जाये? क्या वो भारत के लोगों की एक बीमारी को एक दवा से ठीक करके कई दूसरी बीमारी देना चाहते है? ताकि यहाँ के लोग परमानेंट उनके ग्राहक बन जाये?

मामला अगर भ्रामक विज्ञापन तक होता तो कौन-सी कम्पनी यहाँ सच बोलकर उत्पाद बेचती है? बॉर्नवीटा, कॉम्प्लैन या हॉर्लिक्स से कितने बच्चों का फायदा मिला? जबकि एक्सपर्ट्स की मानें तो बच्चों के दो साल के होने से पहले, उन्हें दूध में बॉर्नवीटा, हॉर्लिक्सि और कॉम्प्लेन जैसे ड्रिंक नहीं पिलाने चाहिए। बच्चों की किडनी और लीवर इन ड्रिंक्स को पचाने के लिए तैयार नहीं होते हैं। लेकिन फिर भी विज्ञापन चल रहे हैं असल में मामला सिर्फ इतना है कि विदेशी कम्पनियां नहीं चाहती कि भारत आयुर्वेद की ओर वापिस जाये इस कारण भी समय-समय पर पतंजलि के खिलाफ मामले चलते रहे हैं। - ***सम्पादक***

पृष्ठ 3 का शेष

घोषणा पत्र बिकाऊ है.....

4. शिक्षा और सफाई विभाग बंद कर दिए जाएंगे। बच्चों को पहले निरक्षर बनाया जाएगा और जब वे कुछ सीखने लायक यानी प्रौढ़ हो जाएंगे तब उन्हें साक्षर बनाने का अभियान चलाया जाएगा। जरूरत पड़ेगी तो बच्चे बुजुर्गों से शिक्षा ग्रहण करेंगे या माओं से कुछ सीख लेंगे। देश के माल को हजम करने के लिए इससे ज्यादा पढ़ाई लिखाई की आवश्यकता नहीं होती। जब तक यह शिक्षा-नीति पूरी तरह लागू नहीं हो जाती तब तक पब्लिक स्कूलों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में ट्रांसफर कर दिया जाएगा और सरकारी स्कूल वालों को पब्लिक स्कूलों में। सफाई विभाग बंद कर दिया जाएगा। नागरिक खुद सफाई का जिम्मा संभालेंगे। सरकार उन्हें पार्कों में कूड़ा-कर्कट फेंकने की छूट देगी ताकि पड़ौस में ही खाद बनता रहे।

5. झोंपड़-पट्टी विभाग में नई जान फूँकी जाएगी। यह विभाग मौका लगने पर शहर के बीचों-बीच और मौका न लगने पर शहर के बाहरी हिस्सों में नई-नई झोंपड़-पट्टियों का विकास करेगा। जनसेवा और पार्टी के वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए ऐसी अनधिकृत बस्तियों का जाल बिछाया जाएगा और उन्हें अधिकृत करवाने के कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। यह प्राथमिकता इतनी दीर्घजीवी होगी कि दर्जनों सरकारों के कार्यकाल को पार कर जाएगी। जो-जो पुलिस कर्मी और नगर निगम के कर्मचारी अनधिकृत निर्माण में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे उन्हें बारी से पहले तरक्की दी जाएगी।

6. दूसरे दलों की दलदल से निकल कर हमारे दल की दलदल में फंसने के इच्छुक महापुरुषों के लिए दरवाजे और सूटकेस खुले रखे जाएंगे ताकि उनको किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ-साथ भ्रष्टाचार को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा, जिससे भ्रष्टाचारियों की उपेक्षा खत्म होगी और वे राष्ट्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान और भी बढ़-चढ़कर दे सकेंगे। संविधान में संशोधन किया जाएगा और भ्रष्टाचार को नागरिक के मूल अधिकारों में शामिल किया जाएगा।

7. विपक्षियों को राजनीति से संन्यास दिलवाने के लिए युवा पुरोहितों के कमांडो दस्ते बनाए जाएंगे। ये दस्ते विपक्षियों को पकड़-पकड़ कर उन्हें संन्यास की दीक्षा देंगे और उनसे राजनीति से संन्यास ले लेने के बयान जारी करवाएंगे। इसके साथ-साथ और भी अनेक महत्त्वपूर्ण कदम ऊपर उठाए जाएंगे और फिर नीचे रखे जाएंगे।

8. प्रदूषण को रोकने के लिए घुड़सवारी और गधासवारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। जब घुड़सवारी हो सकती है तो गधासवारी क्यों नहीं हो सकती? इन जानवरों के चारे की समस्या हल करने के लिए प्रान्त विशेष के चाराखोरों द्वारा विकसित टैक्नीक उपयोग में लाई जाएगी।

9. पैट्रोल-डीजल वाहनों पर यह पाबंदी लगाई जाएगी कि वे दिन के समय सड़कों पर नहीं निकल सकेंगे। बिजली-चोरी को नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल किया जाएगा। अपराधों को सुलझाने के लिए पुलिस को भले आदमियों को पकड़ने की छूट दी जाएगी। माल की ढुलाई में तेजी लाने के लिए दुपहिया स्कूटर चालकों को ऐसी आधुनिकतम ट्रेनिंग दी जाएगी कि वे पिछली सीट पर भैंस को बैठाकर अस्पताल ले जा सकें। इसके लिए विश्व प्रसिद्ध 'पटना सर्कस' की सेवाएँ प्राप्त की जाएंगी।

10. लोकपाल की जगह नेतापाल विधेयक लाया जाएगा क्योंकि लोक चाहे पले या न पले, नेता का पलना निहायत जरूरी है। नेता नहीं पलेगा तो लोग आँख मींचकर किसके पीछे चलेंगे? 'नेता क्रय-विक्रय' नाम से एक राष्ट्रीय कोष की स्थापना की जाएगी और एक 'नेता स्टॉक ऐक्सचेंज' बनाया जाएगा ताकि इच्छुक नेता वहाँ अपने आपको सूचीबद्ध करा सकें और जरूरतमंद पार्टियाँ बाजार भाव पर उन्हें खरीद सकें।

-एम-93, साकेत, नई दिल्ली-17
मो॰ 9818211771

पृष्ठ 4 का शेष

के नाम का अनुमोदन सर्वश्री विनोद भारद्वाज, हर्ष लखन पाल, विशाल परोथी, श्रीमती ज्योति नन्दा, डॉ. सूर्यकान्त शोरी, शाम आर्य बंगा ने किया। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने ताली बजाकर सुर्दशन शर्मा जी के नाम का समर्थन किया। चुनाव अधिकारी श्री विनय आर्य ने अन्य कोई नाम प्रस्तुत न होने पर आगामी तीन वर्षों के लिए श्री सुर्दशन शर्मा जी को सर्वसम्मति से आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रधान निर्वाचित घोषित किया।

- ***कार्यालयाध्यक्ष***

शोक समाचार

श्री विद्याभूषण मोंगा जी का निधन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के माननीय कोषाध्यक्ष श्री विद्यामित्र ठुकराल जी के भांजे श्री विद्याभूषण मोंगा जी का दिनांक 30 मार्च, 2024 को अकस्मात निधन हो गया। अन्तिम संस्कार अगले दिन पंजाबी बाग शमशान घाट पर पूर्ण वैदिक रीति से हुआ। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 2 अप्रैल को सनातन धर्म मन्दिर पश्चिम विहार में सम्पन्न हुई, जिसमें उनके परिवारजनों के साथ-साथ सभा अधिकारियों ने भी पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक-संतप्त बपरिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

200वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में

नव सम्वत्सर उत्सव

आर्यसमाज राजनगर-2, महरौली रोड, पालम कालोनी, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 13-14 अप्रैल, 2024 को नव सम्वत्सर उत्सव आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ ब्रह्मा एवं प्रवक्ता आचार्य हरिशंकर अग्निहोत्री तथा भजनोपदेश पं. मोहित शास्त्री के होंगे।

- ***रतन आर्य, मन्त्री***

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 8 अप्रैल, 2024 से रविवार 14 अप्रैल, 2024

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं. डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2024-25-2026

LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 11-12-13/04/2024 (वीर-शुक्र-शनिवार)

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2024-25-26

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 10 अप्रैल, 2024

चलो अमेरिका! ।।ओ३म्।। अमेरिका चलो!!

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं
150वें आर्य समाज स्थापना वर्ष पर देश-विदेश में
दो वर्षीय आयोजनों की श्रृंखला में

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्त्वावधान में

प्रतिष्ठा में,

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अमेरिका

18-19-20-21 जुलाई, 2024 : न्यूयार्क (अमेरिका)

सम्माननीय भाईयो-बहिनो!

जैसा कि आप जानते ही हैं कि सम्पूर्ण आर्य जगत के लिए वर्तमान समय अत्यंत उमंग, उत्साह और उल्लास से भरा हुआ है। महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के दो वर्षीय आयोजनों की श्रंखला में देश विदेश में भव्य और विराट आयोजन सफलतापूर्वक निरन्तर हो रहे हैं। इस क्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का भव्य आयोजन न्यूयॉर्क में किया जा रहा है। इस अवसर पर समस्त आर्यजनों से हमारा अनुरोध है कि -

विदेशों में रहने वाले महानुभाव

भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में रहने वाले समस्त आर्य महानुभाव अमेरिका सम्मेलन में भाग लेने हेतु सपरिवार पधारें।

अमेरिका में रहने वालों को दें निमन्त्रण

आर्यजन स्वयं सपरिवार पहुँचे तथा अमेरिका में रहने वाले पारिवारिक जनों और मित्रों को निमंत्रण देकर आने का अनुरोध अवश्य करें

सभा की ओर से आमन्त्रण भेजें

सभा की ओर से आमन्त्रण भिजवाने के लिए विदेश प्रवासी आर्यजनों के नाम, पता एवं सम्पर्क सूत्र 9650183339 पर व्हाट्सएप करें

आर्य महासम्मेलन की ऐतिहासिकता के बनें साक्षी

न्यूयार्क में आर्यों का मेला लगेगा, महर्षि दयानन्द का गुणगान किया जाएगा, यह कार्यक्रम अत्यन्त प्रेरक और ऐतिहासिक होगा, जिसके हम सब साक्षी बनेंगे। आओ, मिलकर अमेरिका की धरा पर महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती मनाएं, उनकी शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करें और 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का उद्घोष सार्थक करें। भारत से महासम्मेलन में सम्मिलित होने वाले समस्त महानुभावों के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। आप भी अपना पंजीकरण शीघ्र कराएं।

अमेरिका महासम्मेलन, पंजीकरण, टूर पैकेजे/कार्यक्रम और वीजा आदि की जानकारी/सहयोग प्राप्त करने के लिए श्री सन्दीप आर्य जी 91-9650183339 को व्हाट्सएप्प करें। विदेश में रहने वाले अपने परिजनों का नाम, पता और सम्पर्क सूत्र भी इसी मोबाईल नं. पर नोट कराएं/व्हाट्एप्प करें।

अमेरिका यात्रा एवं टूर पैकेज की जानकारी के लिए दिया गया कोड स्कैन करें।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्प्लेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह